नवमः पाठः

जीवन-सूत्राणि

(जीवन के सूत्र)

किंस्विद् गुरुतरं भूमेः किंस्विदुच्चतरं च खात्?
किंस्वित् शीघ्रतरं वातात् किंस्विद् बहुतरं तृणात्?।।1।।

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात्।।2।।

किंस्वित् प्रवसतो मित्रं किंस्विन् मित्रं गृहे सतः?
आतुरस्य च किं मित्रं किंस्विन् मित्रं मरिष्यतः?।।3।।

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।
आतुरस्य भिषक् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः।।4।।

किंस्विदेकपदं धर्म्यम् किंस्विदेकपदं यशः?
किंस्विदेकपदं स्वर्ग्यम् किंस्विदेकपदं सुखम्?।।5।।

दाक्ष्यमेकपदं धर्म्यम् दानमेकपदं यशः।
सत्यमेकपदं स्वर्ग्यं शीलमेकपदं सुखम्।।6।।

धान्यानामुत्तमं किंस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम्?
लाभानामुत्तमं किं स्यात् सुखानां स्यात् किमुत्तमम्?।।7।।

धान्यानामुत्तमं दाक्ष्यं धनानामुत्तमं श्रुतम्।
लाभानां श्रेय आरोग्यं सुखानां तुष्टिरुत्तमा।।8।।

किं नु हित्वा प्रियो भवति? किन्नु हित्वा न शोचति।
किं नु हित्वार्थवान् भवति? किन्नु हित्वा सुखी भवेत्।।9।।

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।10।।

॥ अभ्यास प्रश्न ॥

➨ लघु उत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

(1) पिता कस्मात् उच्चतरः अस्ति?

(2) तृणात् बहुतरं किम् अस्ति? **(2018HA)**

(3) प्रवसतो किं मित्रम् अस्ति?

(4) भिषक् कस्य मित्रम् अस्ति?

(5) सुखानां किमुत्तमं स्यात्?

(6) नरः किम् हित्वा न शोचति?

(7) मनुष्यः किम् नु हित्वा सुखी भवेत्?

(8) भूमेः गुरुतरा किम् अस्ति? **(2019AB)**

(9) सर्वेषु उत्तमं धनं किम् अस्ति?

(10) गृहे सतः मित्रम् किम् अस्ति?

(11) वातात् शीघ्रतरं किम् अस्ति? **(2016CG)**

(12) लाभानाम् उत्तमं किम् अस्ति?

(13) मरिष्यतः मित्रं किम् अस्ति?

(14) दानं कस्य मित्रं भवति?

(15) आतुरस्य मित्रं किम् अस्ति? **(2016CF)**

(16) खात उच्चतरं किम् अस्ति? **(2017AE)**

➨ अनुवादात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित श्लोकों का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

(क) किंस्विद गुरुतरं..... बहुतरं तृणात्?

(ख) माता गुरुतरा .....बहुतरी तृणात्। **(2019AD)**

(ग) किंस्वित् प्रवसतो..... मरिष्यतः।

(घ) सार्थः प्रवसतो.....मित्रं मरिष्यतः। **(2017AA,19AG)**

(ङ) किंस्विदेकपदं..... सुखम्।

(च) दाक्ष्यमेकपदं.....सुखम्। **(2020MD)**

(छ) धान्यानामुत्तमं किंस्विद् ..... किमुत्तमम्? **(2018HF)**

(ज) धान्यानामुत्तमं दाक्ष्यं.....सुखानां तुष्टिरुत्तमा।

(झ) किं नु हित्वा.....सुखी भवेत्। **(2016CE)**

(ञ) मानं हित्वा.....सुखी भवेत्। **(2016CC,17AG,20MG,ME)**

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(क) मरनेवाले के साथ दान ही जाता है।

(ख) विद्या सब धनों में प्रधान है।

(ग) इच्छारहित व्यक्ति ही धनी होता है।

(घ) मनुष्य को निर्लोभी होना चाहिए।

(ङ) जन्मभूमि स्वर्ग से भी बड़ी है।

(च) विदेश में धन मित्र होता है।

(छ) घर में पत्नी ही मित्र होती है।

➨ व्याकरणात्मक प्रश्न

(1) खात्, प्रवसतः, गृहे, दाक्ष्यम्, यशः में विभक्ति व वचन बताइए।

(2) 'हित्वा' और 'हत्वा' का अर्थ बतायें तथा प्रयुक्त प्रत्यय का उल्लेख करें।

(3) सन्धि-विच्छेद कीजिये—किमुत्तमम्, धनानामुत्तमम्, हित्वार्थवान्।

पर्यायवाची शब्द

खः—आकाश, गगन। **वातः**—वायुः, अनिलः, पवनः। **शीलम्**—आचरणं। **कामं**—इच्छा, वासना।

➨ आन्तरिक मूल्यांकन

1. 'जीवन-सूत्राणि' पाठ को पढ़ने के बाद आपको क्या शिक्षा मिलती है, स्पष्ट कीजिए।
2. 'जीवन-सूत्राणि' पाठ के जो श्लोक आपके मन को छू गये हैं, उन्हें कण्ठस्थ करें।

शब्दार्थ

किंस्वित् = क्या, कौन-सी। **गुरुतरं** = अधिक भारी। **खात्** (ख की पञ्चमी विभक्ति का रूप) = आकाश से। **वात** = वायु। **आतुर** = बीमार। **भिषक्** = वैद्य। **मरिष्यतः** = मृतप्राय का। **प्रवसतः** = प्रवासी का, परदेश गये हुए का। **दाक्ष्यम्** = दक्षता, निपुणता। **हित्वा** = छोड़कर। **तृणात्** = तिनके से। **बहुतरम्** = अधिक (असंख्य)। **आतुरस्य** = रोगी का। **सार्थ** = कारवां, सहयात्रियों का समूह। **भिषक्** = वैद्य। **धर्म्यम्** = धर्म का। **एकपदम्** = मुख्य स्थान। **स्वर्गयम्** = स्वर्ग का। **धान्यानाम्** = अन्नों में। **श्रुतम्** = शास्त्र। **श्रेयः** = उत्तम। **आरोग्यम्** = स्वास्थ्य। **तुष्टिः** = सन्तोष। **न शोचन्ति** = शोक नहीं करता। **अर्थवान्** = धनवान्। **शीघ्रतरं** = शीघ्रगामी। **गृहे सतः** = घर में रहने वाले का। **सार्थः** = कारवाँ सहयात्री। **स्यात्** = हो सकता है। **मानम्** = अभिमान। **कामम्** = इच्छा को।

●●